
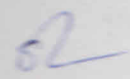



परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल० 2.00+3.00 किमी०) 5.00 किमी०

रिक्त पड़े स्थान पर उचित वृक्षारोपण योजना का प्रमाण-पत्र

उपरोक्त स्थान पर उचित वृक्षारोपण योजना के अन्तर्गत रिक्त पड़े स्थानों पर उचित वृक्षारोपण हेतु उचित प्रस्तावित वन भूमि को उपलब्ध करायी जायेगी।

  
जयदेव अग्निवा  
जयदेव अग्निवा  
रुद्रप्रयाग

  
जयदेव अग्निवा  
जयदेव अग्निवा  
रुद्रप्रयाग

  
जयदेव अग्निवा  
जयदेव अग्निवा  
रुद्रप्रयाग

प्रभावित होने वाले वृक्षों का भूमिवार विवरण का प्रमाण-पत्र

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी)

मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु 3.500 हे0 सिविल/आरक्षित/वन पंचायत/नाप भूमि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पातन होने वाले वृक्षों की निम्नानुसार गणना की गई:-

क्र. सं.	भूमि की श्रेणी	वन ब्लॉक, कन्वर्टमेंट, खसरा सं0	प्रजाति	वैज्ञानिक नाम	व्यास वर्ग										योग
					0-10	10-20	20-30	30-40	40-50	50-60	60-70	70-80	80-90	90 से अधिक	
1	आरक्षित	अगस्त्यमुनि न रेंज	चीड़	<i>Pinus roxburghii</i>	5	32	69	71	49	6	4	5	2		243
	सिविल	-लाटू-	कुआंस	<i>Quercus longinosa</i>			3	2							5
	वन पंचायत	-लाटू-	कार्नेल				3	1	-	-	-	-	-	-	4
	सिविल	-लाटू-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	वन पंचायत	-लाटू-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग				5	32	75	74	49	6	4	5	2		252
	वन भूमि	-लाटू-	खिलोक			1	1			1					3
		-लाटू-	अखरोट	<i>Juglans</i>		1									1
		-लाटू-	खडीक			2			1						3
		-लाटू-	तुल	<i>Crataeva toona</i>						1					1
			योग			4	1		1	2					8
			कुल योग		5	36	76	74	50	8	4	5	2		260

उपरोक्तानुसार गणना किये गये वृक्षों का पातन किया जाना अपरिहार्य है।

वन सहायक  
अगस्त्यमुनि रेंज

प्रतिहस्ताक्षरित  
प्रभारित वनाधिकारी  
लोक निर्माण विभाग  
रुद्रप्रयाग

योजना का नाम :- जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसौली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0

मार्ग पर पड़ने वाले बाधक वृक्षों की मूल्य गणना सूची

क्रमांक	प्रकार का नाम	व्यास	संख्या	दर	धनराशि रूपये
1	2	3	4	5	6
	खिलोक	10-20	1	80.00	80.00
		20-30	1	160.00	160.00
		50-60	1	780.00	780.00
	अखोट	20-30	1	960.00	960.00
	खडक	10-20	2	80.00	160.00
		40-50	1	630.00	630.00
	पुल	50-60	1	8550.00	8550.00
	सोह	0-10	5	90.00	450.00
		10-20	36	240.00	8640.00
		20-30	79	600.00	47400.00
		30-40	71	2330.00	165430.00
		40-50	49	5070.00	248630.00
		50-60	6	8565.00	51390.00
		60-70	3	13200.00	39600.00
		70-80	5	18660.00	93300.00
		80-90	2	23860.00	47720.00
	कुल	20-30	3	160.00	480.00
		30-40	2	390.00	780.00
	काल	20-30	3	160.00	480.00
		30-40	1	390.00	390.00
	बज	30-40	1	485.00	485.00
		Total	274	Total	716495.00
				G. Total	716495.00

अनुमति क्र. 10 अतिरिक्त वार्षिक वृद्धि हेतु -

1. मार्ग में वृद्धि 10/10/2014-2015

*L.S.P.*

प्रमाणित करीब  
रुद्रप्रयाग

प्रतिहस्ताक्षरित  
प्रमाणित करीब  
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग  
रुद्रप्रयाग

प्रभावित होने वाले बांज वृक्षों के पातन का प्रमाण-पत्र

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0

वन भूमि के हस्तान्तरण हेतु मेरे द्वारा दिनांक 07.04.2011 को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बांज वृक्षों की निम्नानुसार गणना की गई :-

क्र. सं.	भूमि की श्रेणी	वन ब्लॉक, कन्पार्टमेंट, खण्ड सं.	प्रजाति	वैज्ञानिक नाम	ब्यास वर्ग										योग	
					0-10	10-20	20-30	30-40	40-50	50-60	60-70	70-80	80-90	90 से अधिक		
1	बांज	अगस्त्यमुनि सं.	बांज					1								1
	बांज		बांज													
	बांज		बांज													
	बांज		बांज					1								1
	बांज		बांज					1								
	बांज		बांज					1								1

उपरोक्त परियोजना से बांज का वृक्ष प्रभावित हो रहा है। जिनका पातन किया जाना अति आवश्यक है।

वन संरक्षक,  
गढ़वाल वृत्त पौड़ी

## न्यूनतम वृक्षों के पातन का प्रमाण पत्र

परियोजना का नाम :- जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में ज्य  
योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से का  
मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग क वन  
भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल० 2.00+3.00 किमी०) 00  
किमी०

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त मोटर मार्ग के नव निर्माण में पड़ने ले  
आवश्यक न्यूनतम वृक्षों का ही पातन किया जायेगा।

J-E

सहायक अभियन्ता  
प्रा०ख० लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग

अधिरासी अभियन्ता  
प्रा०ख० लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग।

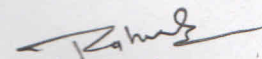
परियोजना का नाम :- जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0 ।


### मक डिस्पोजल प्लानिंग


Sr. No.	Material recived from hill side cutting = $\frac{1}{2} \times 3 \times 4.5 \times 5000$	33750	cum
	Material received from hill side cutting including 40% of swell factor	13500	cum
	Total	47250	Cum
<b>Disposal and Use of Material</b>			
1	R.R. Stone Masonary laid in 1:5	1000	cum
2	R.R. Stone Masonary laid dry	4882	cum
3	Hand packed Stone filling	3750	cum
4	Construction of Wire crate	3375	cum
5	Construction of Parapet	1000	cum
6	Granular sub base /base/surface	6000	cum
7	Construction of Super Base Course	5062.00	cum
8	Construction of Road side Drain	<del>7500.00</del>	cum
9	Super elevation & Patri filling	7500	cum
10	Concrete work	—	cum
11	Total	32569	cum
12	Material Disposal by Cartage	14681	cum

#### Summary of Dabries Disposal

Sr. No.	Total Dabries	Material disposal by Cartage	Reused material for road construction	Total disposal in Dumping Zone	Balance debries
1.	47250 Cum	14681	32569	15840	NIL

  
Junior Engineer  
Prov. Div. PWD  
Rudraprayag

  
Assistant Engineer  
Prov. Div. PWD  
Rudraprayag

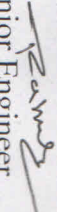
  
Executive Engineer  
Prov. Div. PWD  
Rudraprayag


परियोजना का नाम:- जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जखोली-लादू देवा से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल० 2.00+3.00 किमी०) 5.00 किमी०।

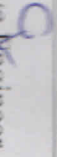
Page No.....

### Detail of Muck Disposal Sites

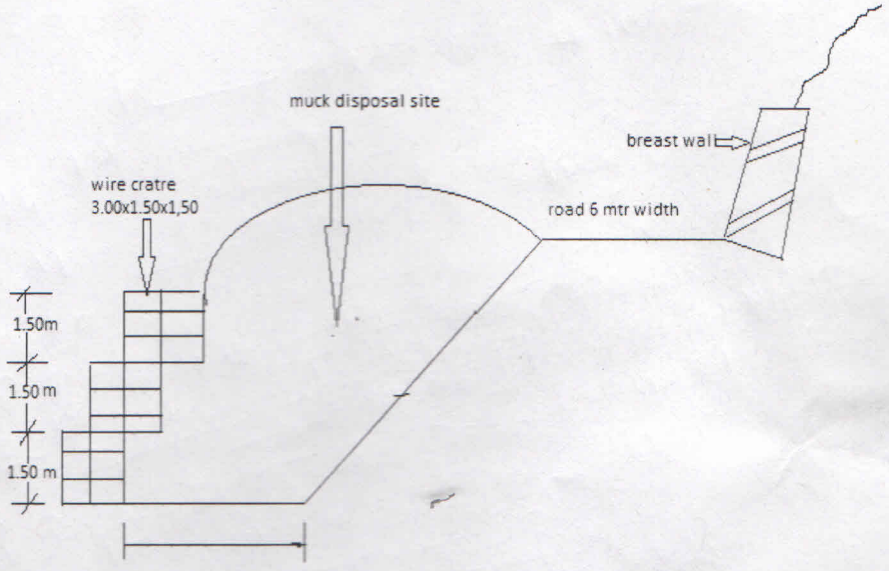
S. No.	Location of Dumping Yard)	Owner of Land	Khasara No.	Area (in hectares)	Height of Dumping Zone (m)	Capacity of Dumping yard in cum	Longitude /Latitude
1	भुनका चल्वा	इन्द्र सिंह	221	0.09	6.00	5400	76° 14' 04.97" N 79° 2' 35.58" E
2	—do—	शिवराज सिंह	113	0.084	6.00	5040	76° 16' 06.83" N 79° 02' 25.91" E
3	भुनका चल्वा	इन्द्र सिंह	221	0.09	6.00	5400	76° 16' 16.29" N 79° 1' 59.86" E
						15840	

  
Junior Engineer  
Prov. Div. PWD  
Rudraprayag

  
Assistant Engineer  
Prov. Div. PWD  
Rudraprayag

  
Executive Engineer  
Prov. Div. PWD  
Rudraprayag

# Muck Disposal cross section



*Rahul*  
J.E

*82*  
A.E

*Q*  
E.E

अनापत्ति प्रमाण-पत्र

लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित मोटर मार्ग जनपद रुद्रप्रयाग के अन्तर्गत प्रस्तावित जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल० 2.00+3.00 किमी०) 5.00 किमी०, हेतु जो भूमि निर्माण / मकडिस्पोजल हेतु प्रस्तावित की गई है उस प्रयोजन हेतु यदि मेरी भूमि अर्जित की जाती है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं विभागीय दरों पर अपनी भूमि सहर्ष देने को तैयार हूँ।

भवदीय

नाम- दरमान सिंहग्राम- भुनका बल्ला

क्रास सैक्शन ..... पर प्रस्तावित मक डिस्पोजल हेतु  
काश्तकारों श्री दरमान सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह  
ग्राम भुनका बल्ला पटवारी वृत्त रुद्रा जिला रुद्रप्रयाग के  
नाम भूमि विवरण निम्न प्रकार है-

क्र० सं०	खाता / खसरा नम्बर	भूमि (हेक्टेयर में)
	7/221	0.09
	योग	0.09

राजस्व उप निरीक्षक

## अनापत्ति प्रमाण-पत्र

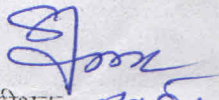
लोक निर्माण विभाग को अन्तर्गत प्रस्तावित मोटर मार्ग जनपद रुद्रप्रयाग के अन्तर्गत प्रस्तावित जनपद रुद्रप्रयाग के जिला रुद्रप्रयाग अण्डास्थान में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता । मुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0, हेतु जो भूमि निर्माण / मकडिस्पोजल हेतु प्रस्तावित की गई है उस प्रयोजन हेतु यदि मेरी भूमि अर्जित की जाती है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं विभागीय दरों पर अपनी भूमि सहर्ष देने को तैयार हूँ।

भवदीय

नाम- मलकोरे सिंहग्राम- मुनका वल्ला

क्रास सैक्शन ..... पर प्रस्तावित मक डिस्पोजल हेतु  
काश्तकारों श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री शिवराज सिंह  
ग्राम मुनका वल्ला पटवा 1 त रूडा जिला रुद्रप्रयाग के  
नाम भूमि विवरण निम्न प्रकार

क्र0 सं0	खाता / खसरा नम्बर	भूमि (हेक्टेयर में)
	16/113	0.084
	योग	0.084

  
 राजस्व उप निरीक्षक रजेश

## अनापत्ति प्रमाण- 13

लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित मोटर मार्ग जनपद रुद्रप्रयाग के अन्तर्गत प्रस्तावित जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0, हेतु जो भूमि निर्माण /मकडिस्पोजल हेतु प्रस्तावित की गई है उस प्रयोजन हेतु यदि मेरी भूमि अर्जित की जाती है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं विभागीय दरों पर अपनी भूमि सहर्ष देने को तैयार हूँ।

भवदीय

नाम- दरबाना

ग्राम- भुनका पल्ला

क्रा. सं. .... पर प्रस्तावित मक डिस्पोजल हेतु  
काश्तकारों श्री दरबान सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह  
ग्राम भुनका पल्ला पटवारी वृत्त रतूडा जिला रुद्रप्रयाग के  
नाम भूमि विवरण निम्न प्रकार है-

क्र0 सं0	खाता / खसरा नम्बर	भूमि (हेक्टेयर में)
	7/221	0.09
	योग	0.09

राजस्व उप निरीक्षक  
रतूडा

## मक डिस्पोजल योजना के सापेक्ष वृक्षारोपण

परियोजना का नाम- जनपद-रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू रोड से मुन्का मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वनभूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव (लं० 2.00 + 3.00 किमी०) 5.88 किमी०।

प्रस्तावित क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल - 27825 है०

लक्षित क्षेत्र को ढाल देने के लिए की संख्या (कुल क्षेत्रफल X 2000 पौध ) 5565 पौध

## प्रथम चरण

क्र.सं०	कार्य का नाम	इकाई	इकाई दर (रु०)	योग-
1	जमीन का क्षेत्रफल	2.7825 है०	78.000	217.035
2	मक रोपण कार्य	2.7825 है०	2543.000	7075.898
3	कुली व्यवस्था कार्य / सीलिंग ( 150 मी प्रति है० = 81 घ०मी० ) ( 12 / - 4000 )	2.7825 है०	15309.000	42597.293
4	मक रोपण ( 2.00+3.00 ) क्षेत्रफल चुना सहित	5565	5.420	30162.300
5	सीलिंग कार्य की लागत 25 घ० प्रति म०	139.1	किग्रा०	19.000
6	निर्माण क्षेत्रफल ( 488 म० प्रति है० )	2.7825 है०	624.000	1736.280
7	मक रोपण कार्य	5565	पौध	4.300
8	मक रोपण कार्य ( 10 है० ) के आधार पर मानते हैं			
	1. लागत / प्रति म० क्षेत्रफल 8 X 4568 = 36700.00	2.7825 है०	62400.000	62400.000
	2. मक रोपण कार्य ( 2.00+3.00 ) 5x5140 = 25700.00			
	योग- 62400.00			
	कुल - कुल योग			170761.680


## द्वितीय चरण

1	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	2.7825 है०	1287.00	3581.08
2	मक रोपण कार्य ( 2.00+3.00 )	5565	गद्दा	0.97
3	मक रोपण कार्य	5565	पौध	6.00
4	मक रोपण कार्य	5565	पौध	1.89
5	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	5565	पौध	1.29
6	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	5565	पौध	1.11
7	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	5565	पौध	1.20
8	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	2.7825 है०	468 प्रतिमाह / प्रति है०	11719.89
9	मक रोपण कार्य	2.7825 है०	310.00	862.58
	कुल - कुल योग			85503.44
	कुल - कुल योग-द्वितीय चरण			256265.12

## तृतीय चरण 10 प्रतिशत क्षतिपूर्ति (बीटिंग अप ) प्रति है०

1	मक रोपण कार्य	5565	पौध	5.50	30607.50
2	मक रोपण कार्य	5565	पौध	6.00	33390.00
3	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	5565	पौध	3.20	17808.00
4	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	5565	पौध	1.31	7290.15
5	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	5565	पौध	1.11	6177.15
6	मक रोपण कार्य ( 10 है० )	2.7825 है०	468 प्रतिमाह / प्रति है०	15626.52	
7	मक रोपण कार्य	2.7825 है०	310.00	862.58	

योग- तृतीय चरण				110899.32
<b>चतुर्थ चरण (रख रखाव कार्य )</b>				
जलकाल चौकीदार का पारिश्रमिक 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य	2.7825	है0	310.00	862.58
योग- चतुर्थ चरण				16489.10
<b>पंचम चरण (रख रखाव कार्य )</b>				
जलकाल चौकीदार का पारिश्रमिक 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य	2.7825	है0	310.00	862.58
योग- पंचम चरण				16489.10
<b>छठवां चरण</b>				
सोपान वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अन्य कार्य (अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य )	2.7825	है0	310.00	862.58
<b>छठवां चरण का योग :-</b>				16489.10
<b>सातवां चरण</b>				
सोपान वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अन्य कार्य (अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य )	2.7825	है0	310.00	862.58
<b>सातवां चरण का योग :-</b>				16489.10
<b>आठवां चरण</b>				
सोपान वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अन्य कार्य (अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य )	2.7825	है0	310.00	862.58
<b>आठवां चरण का योग :-</b>				16489.10
<b>नवां चरण</b>				
सोपान वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अन्य कार्य (अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य )	2.7825	है0	310.00	862.58
<b>नवें चरण का योग :-</b>				16489.10
<b>दसवां चरण</b>				
सोपान वर्ष के बाद तृतीय वर्ष का रखरखाव व अनुरक्षण कार्य 12 माह	2.7825	है0	468 प्रतिमाह / प्रति है0	15626.52
अन्य कार्य (अग्नि सम्बन्धी सुरक्षा कार्य )	2.7825	है0	310.00	862.58
<b>दसवें चरण का योग :-</b>				16489.10
कुल धनराशि	प्रथम चरण			170761.68
	द्वितीय चरण			85503.44
	तृतीय चरण			110899.32
	चतुर्थ चरण			16489.10
	पंचम चरण			16489.10
	षष्ठम चरण			16489.10
	सप्तम चरण			16489.10
	अष्टम चरण			16489.10
	नवम चरण			16489.10
	दशम चरण			16489.10
	<b>कुल योग</b>			<b>482588.11</b>
<b>कुल योग—</b>			<b>482588.11</b>	
<b>या</b>			<b>482500.00</b>	

  
**उपप्रशासकीय वनाधिकारी**  
**रुद्रप्रयाग उप वन प्रभाग**  
**रुद्रप्रयाग**

**प्रतिहस्ताक्षरित**  
**प्रशासकीय वनाधिकारी**  
**रुद्रप्रयाग वन प्रभाग**  
**रुद्रप्रयाग**

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में : ज्य  
 योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका र टर  
 मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन मि  
 हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल० 2.00+3.00 किमी०) 5.00 कि० )

राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारण्य से परियोजना स्थल की दूर  
प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारण्य  
 केदारनाथ वन्य जीव अभ्यारण्य से उक्त परियोजना की दूरी लगभग 38.75  
 किमी० है।

*Rahul*

कनिष्ठ अभियन्ता  
 प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
 रुद्रप्रयाग

*SL*

सहायक अभियन्ता  
 प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
 रुद्रप्रयाग

*GH*

अधिसासी अभियन्ता  
 प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
 रुद्रप्रयाग

*[Signature]*

वन क्षेत्राधिकारी  
 रुद्रप्रयाग रेंज  
 रुद्रप्रयाग वन प्रभाग

**उपप्रभागीय वन्यधिकारी**  
**रुद्रप्रयाग उप वन प्रभाग**  
 उप प्रभागीय वन्यधिकारी  
 रुद्रप्रयाग


**प्रतिष्ठान प्रशस्ति**  
**उपप्रभागीय वन्यधिकारी**  
**रुद्रप्रयाग वन प्रभाग**  
**रुद्रप्रयाग**

वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन न होने का प्रमाण पत्र

परियोजना का नाम :- जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (लम्बाई 2.00+3.00 किमी०) 5.00 किमी०)-

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के नव निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन नहीं हुआ है।

प्रभागीय वनाधिकारी  
रुद्रप्रयाग

  
अधिशासी अभियन्ता  
प्रा०ख० लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0

आम सभा का अनापत्ति प्रमाण-पत्र

~~प्रति सं० 36(A) व 36(B) पर~~

संलग्न है।

संलग्न है।

प्रधान/सरपंच

मोहर

# अनाजापति प्रमाणपत्र

सेवा में,

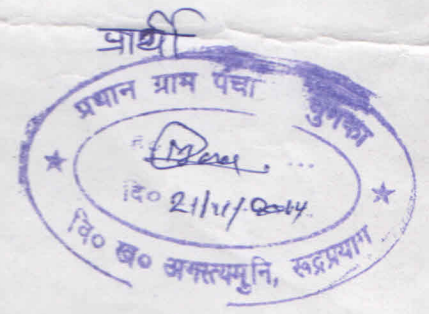
श्रीमान अध्यापक श्रीमयंत महोदय  
लोकनिर्माण विभाग रुद्रप्रयाग  
जनपद रुद्रप्रयाग

महोदय,

ग्रामसभा भुक्तिका का मोटरमार्ग जत्रोली लाइ देवता से 5 किमी. नव निर्माण हेतु अनाजापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आपके कार्यालय लो० नि० बि० को प्रस्तुत किया जा रहा है। कि पूरी ग्रामसभा की नवनिर्माण कार्य में कोई भी आपत्ति नहीं है।

महोदय से पूरी ग्रामसभा निवेदन करते हैं कि इस मोटरमार्ग का निर्माण तुरन्त करवा दिया जाय।

- (1) श्रीमती सरिता देवी
- (2) श्रीमती विनीता देवी
- (3) " " मंजू देवी
- (4) " " दिनकर सिंह
- (5) श्री " मानसिंह
- (6) श्री " ~~अनाजापति~~
- (7) " बलवत्सिंह
- (8) " ~~गोविंद सिंह~~
- (9) " ~~संतोष सिंह~~
- (10) " ~~सरोज सिंह~~
- (11) Pradhan



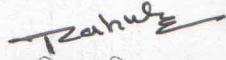
मनवत्सिंह  
गोमानसिंह  
मनवत्सिंह  
पंकजसिंह  
लक्ष्मणसिंह  
अनिल सिंह  
अशोक सिंह  
सि न. 1

गोविंद सिंह  
दरवाज  
रघुनाथ सिंह  
प्रभाकर सिंह  
दरमसिंह  
श्रीमंत सिंह  
अनिल सिंह  
विरेन्द्र सिंह  
अनिल सिंह  
राजीव

Samant

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0)

प्रस्तावित परियोजना का ले आऊट प्लान एवं मदवार विवरण



कनिष्ठ अभियन्ता  
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0  
रुद्रप्रयाग



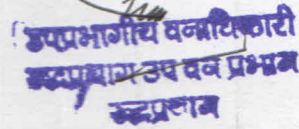
सहायक अभियन्ता  
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0  
रुद्रप्रयाग



अधिसूची अभियन्ता  
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0  
रुद्रप्रयाग



वन क्षेत्राधिकारी  
रुद्रप्रयाग रेंज  
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग

  
उपभागीय वन्याधिकारी  
रुद्रप्रयाग उप वन प्रभाग  
रुद्रप्रयाग

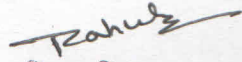
  
प्रतिप्रस्तावरित

उपभागीय वन्याधिकारी  
रुद्रप्रयाग उप वन प्रभाग  
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0

### कार्य प्रारम्भ न होने का प्रमाण-पत्र

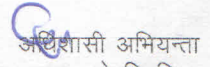
प्रमाणित किया जाता है कि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित भूमि पर अभी तक कोई निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।



कनिष्ठा अभियन्ता  
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0  
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता  
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0  
रुद्रप्रयाग



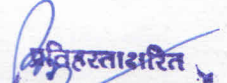
अंशु अभियन्ता  
प्रा0 खण्ड लो0नि0वि0  
रुद्रप्रयाग



वन क्षेत्राधिकारी  
रुद्रप्रयाग रेंज  
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग



उपप्रभाग वन अधिकारी  
रुद्रप्रयाग उप वन प्रभाग  
रुद्रप्रयाग



प्रमाणित वन अधिकारी  
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग  
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल0 2.00+3.00 किमी0) 5.00 किमी0

भू-वैज्ञानिक की आख्या

एकल (A) से एक (C) पर

संलग्न है। \_\_\_\_\_

India  
sub  
Sche  
for  
5<sup>th</sup>  
2.7<sup>th</sup>  
B  
M  
J

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-1  
उत्तराखण्ड, लोक निर्माण विभाग  
देहरादून।

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 213/1916/08  
जनसद सदस्यता में जसोली लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित  
समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

जनवरी 2009

## जनपद रुद्रप्रयाग में जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग रुद्रप्रयाग के अन्तर्गत 5.00 कि०मी० लम्बाई में जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रुद्रप्रयाग के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 18.12.2008 को सम्बंधित सहायक अभियन्ता श्री ए. एस. राणा एवं कनिष्ठ अभियन्ता श्री हरीश के साथ निरीक्षण किया गया।
  2. राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग का दो अलग-अलग स्वीकृतियों में (3 किमी तथा 2.00 कि०मी०) कुल 5.00 कि०मी० लम्बाई में निर्माण कार्य स्वीकृत है। जसोली-काण्डा से लाटू देवता मोटर मार्ग 0.750 कि०मी० लम्बाई में पूर्व निर्मित है। इस मार्ग का विस्तार करते हुए ग्राम भुनका वल्ला तथा भुनका पल्ला को जोड़ना प्रस्तावित है। मार्ग निर्माण हेतु खण्ड द्वारा दो समरेखन बनाये गये हैं। समरेखन संख्या-2 के लिए ग्रामवासियों की असहमति एवं अन्य तथ्यों को ध्यान में रखते हुये प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, रुद्रप्रयाग द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखन निर्मित मार्ग के अन्तिम बिन्दु से आगे आरम्भ होता है तथा लगभग 150मी० बाद रिज पार कर पहाड के पिछले भाग में चला जाता है। इस भाग में पहाडी ढलान तीव्र है, अतः मार्ग निर्माण में सावधानी अपेक्षित होगी। समरेखन ग्राम वल्ला भुनका तथा पल्ला भुनका के नीचे से निकलता है तथा 5.00 कि०मी० लम्बाई पूर्ण कर वही समाप्त होता है। कि०मी० 5 में समरेखन एक गदरे को पार करता है। जिसपर सेतु निर्माण की आवश्यकता होगी। समरेखन क्षेत्र में क्वार्टजाइट चट्टान है तथा इसके ऊपर ओवर बर्डन है। समरेखन में कोई हेजर जिन बैंड नहीं है।
- समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू-आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं, जिन्हे प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।
- (क) यथासम्भव मार्ग का पूरी चौड़ाई उठान करके प्राप्त की जाये। समरेखन क्षेत्र में स्थिति की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहाँ रिटैनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो, वहाँ इनका निर्माण कर्ल स्ट्रेट पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जाये।
  - (ख) गदरे पर सेतु का निर्माण उपयुक्त स्थल पर भूगर्भीय राय के आधार पर कराया जाये।
  - (ग) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुए बिना विस्फोटों का प्रयोज्य लिये मार्ग कटान किया जाये।
  - (घ) समरेखन में तीव्र पहाडी ढलान वाले भाग को यथासम्भव बचाया जाये, अन्यथा उक्त भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।
  - (ङ) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेट कमजोर हो, आवश्यक होने पर उक्त भाग में मार्ग कटान के साथ-साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(च) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाइड इन एवं स्कूपर का प्रावधान किया जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कूपर के पानी का भूक्षरण न हो।

(छ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित निविदा अभियान्तिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दु-

(i) मार्ग कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान का अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

(ii) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सक्रिय हो सकते हैं तथा नई दरारे भी उत्पन्न हो सकती हैं, जिनके कारण विपरीत परिस्थितियों में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। अतः जहाँ आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।

5. जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग हेतु 5.00 कि०मी० लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी-

(1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध किये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/ मार्ग पर किसी प्रोटेक्टेड बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

(2) मुख्य अभियन्ता स्तर-1 लॉ० नि० वि० देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्ग के निर्माण एवं समरेखन निर्देशन के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रावली 122/8(1)आर०-20/05 दिनांक 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

Photo Copy Attached

उपरोक्त अभियन्ता  
प्रमुख एवं लो० नि० वि०  
देहरादून

H. K. K. K.  
16.11.05  
मुख्य अभियन्ता  
सर्वोच्च न्यायालय स्तर-1  
लो० नि० वि० देहरादून  
देहरादून

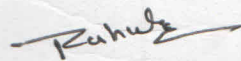
Task Force Certificate

- (i) Lay out of the Land-be followed as far as possible.
- (ii) Heavy cutting/filling be avoided-as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted. Steep hill slopes also to be avoided.
- (iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical engineers and geologists to be taken during the survey for alignment.
- (iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

A part from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads Broadly the measures to be taken have been identified as :-

- (i) Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided Box cutting is to be avoided to the extent possible.
- (ii) (ii) Blasting by explosives is to be restricted to the minimum. Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints Controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in rock. Use of delay detonators in large scale blasting work is to be made for anaoline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process.
- (iii) (iii) All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI. like simple vegetative turning, bitumen much treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made
- (v) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culvers, breast walls, retaining and the walls are provided for purposes of establishing the slips Growth vegetative cover is stimulated in the disturbed hill slopes above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants. In certain selected unstable areas terraced afforestation has also been plasticized as a stabilizing measure with good results.
- (vi) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guidelines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tacking land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and other engaged in construction of hill roads these should be observed.

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स की उपरोक्त संस्तुतियों याचक विभाग को मान्य हैं।



कनिष्ठ अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग





अधिसूचना अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग


**मानक शर्तें:**

1. भूमि हस्तान्तरण के बाद भी उसके उसके वैधानिक स्थल में कोई परिवर्तन नहीं होगा और वह भी पूर्व की शक्ति रखित या आरक्षित वन भूमि बनी रहेगी।
2. प्रस्तुत भूमि का उपयोग केवल कथित प्रयोजन हेतु ही किया जायेगा अन्य प्रयोजन हेतु कदापित नहीं।
3. याचक विभाग प्रस्तावित भूमि अथवा उसके किसी भी भाग को किसी अन्य विभाग, संस्था अथवा व्यक्ति विशेष को हस्तान्तरित नहीं करेगा।
4. भूमि का संयुक्त निरीक्षण करके सुनिश्चित कर लिया गया है कि माँगी गई भूमि न्यूनतम है तथा इसके आर् रेक्ट कोई अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है।
5. हस्तान्तरण विभाग उसके कर्मचारी, अधिकारी अथवा ठेकेदार वन भूमि को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचाये और ऐसा किये जाने पर सम्बन्धित वनाधिकारी द्वारा निर्धारित मुआवजे के भुगतान उक्त विभाग को करना होगा, इसके याचक विभाग सहमत है।
6. भूमि का सीमांकन याचक विभाग अपने व्यय से सम्बन्धित वनाधिकारी की देर-रेख में करायेगा तथा इस सम् व में बनाने एवं नुनने आदि की भी देखभाल करेगा।
7. हस्तान्तरण वन भूमि पर वन विभाग के कर्मचारियों को निरीक्षण हेतु जाने पर हरतान्तरणीय विभाग को कोई 3 शक्ति नहीं होगी।
8. अनुसूचित वन सम्पदा से अर्थात् एवं वन जन्तुओं से भरपूर वन क्षेत्रों का हस्तान्तरण यथासम्भव प्रस्तावित न केया जाय। केवल अतिरिक्त करणों से ही ऐसा किया जाना सम्भव होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह होगा कि वन सम्प की क्षतिपूर्ति या अन्य जन्तुओं के स्वच्छन्द विवरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही भूमि हस्तान्तरित की जा गी।
9. याचक विभाग/वन विभाग द्वारा वन विभाग की नरसरियों पौधों को एवं वन विभाग के कर्मचारियों की नि र्णय का सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।
10. याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित वन भूमि का उपयोग अन्य प्रयोजन हेतु करने अथवा विभाग संस्था या क्ति के लिए की हस्तान्तरित करने पर वन भूमि स्वतः बिना किसी प्रकार के प्रतिकर का भुगतान किये वन विभा को करना हो सकेगी। वन भूमि की आवश्यकता याचक विभाग को न रहने पर भी हस्तान्तरित भूमि तथा उस पर र्मित न्याय आदि न्याय बिना किसी प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को प्राप्त हो जायेगी।
11. याचक विभाग के प्रस्तावों पर एलाइनमेंट तय होते समय स्थानीय स्तर पर वन विभाग का परामर्श सा०नि०वि० द्वारा प्राप्त किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में प्रमुख अभियन्ता, सा०नि०वि० के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, पर्व० क्षेत्र को सम्बन्धित पर संख्या 808 सी० दिनांक 10-2-82 में निहित आदेशों का पालन भी सा०नि०वि० द्वारा केया ा न होना ही नहीं याचक का निर्माण ही आवश्यक है।
12. वन भूमि का मूल्य सम्बन्धित वनाधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल्य सम्बन्धित प्रमाण पत्र के आधार पर आंकलित हो जाे याचक विभाग को मान्य होगा।
13. वन भूमि या वृक्षों का निस्तारण वन विभाग उ०प्र० वन निगम अथवा और कोई उपयुक्त प्रक्रिया जो वन भाग उचित समझे द्वारा किया जायेगा। यदि किसी कारण से वृक्षों का निस्तारण वन विभाग द्वारा सम्भव न हं सके तो याचक को नुकसान हो तो याचक विभाग द्वारा वृक्षों का बाजार भाव पर मूल्य देय होगा।
14. हस्तान्तरित भूमि या वृक्षों के प्रतिकर में याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित भूमि के समतुल्य वृक्षारोप का पालन किया जायेगा जो बनेगी भूमि उपलब्ध न होने पर प्रस्तावित भूमि के दुगने गैर वानिकी क्षेत्र 1 में वृक्षारोप कर 3 वर्ष तक परियोजना व्यय जो भी वन विभाग द्वारा तय किया जाय का भुगतान याचक विभा वन विभाग को करेगा। 1000 मीटर एवं 30 डिग्री से अधिक ढाल पर खड़े वृक्षों का पातन भी निषिद्ध है, इसी कार काय व वृक्षों का पातन भी निषिद्ध है। ऐसे वृक्षों के पातन का निरीक्षण वन संरक्षक स्तर पर ही होगा।
15. वन भूमि के उचित से विपुल सर्वे से करने में यथासम्भव पेड़ों का कटान नहीं किया जायेगा। या खम्भों को कटान से सुनिश्चित किया जायेगा। यदि फिर भी पेड़ों का कटान अनिवार्य प्रतीत होता है तो न्यूनतम पेे काय व वृक्षों का निरीक्षण करके सम्बन्धित वन वन संरक्षक द्वारा निश्चित की जायेगी, जिस पर संरक्ष का अनुमोदन आवश्यक है।
16. यदि वन आदि विभाग में सु-संरक्षण की सम्भावना होती है और नहर की दोनों पट्टियों को पक्का करना नगर आवश्यक समझे जाय तो ऐसा याचक विभाग स्वयं अपने व्यय से करायेगा।
17. अतिरिक्त नुकसान आदि के अतिरिक्त यदि भारत सरकार अथवा वन विभाग द्वारा किसी विशिष्ट प्रकरण में कोई अन्य उचित नुकसान आदि हो तो याचक विभाग को मान्य होगी।
18. वन भूमि का वास्तविक हस्तान्तरण तभी किया जाय जब उच्च शर्तों का पूरा पालन कर लिया जाय अथवा नका सुनिश्चित स्तर से आवश्यकता प्राप्त हो जाय।

उपरोक्त किया जाता है कि वन विभाग उत्तराखण्ड शासन तथा भारत सरकार द्वारा लगाई गई शर्तें याचक भाग को मान्य हैं।

  
उप-आयुक्त  
वन विभाग  
दिल्ली

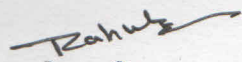
  
उप-आयुक्त  
वन विभाग  
दिल्ली

  
अधिसासी अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में राज्य योजना के अन्तर्गत जसोली-लाटू देवता से भुनका मोटर मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (ल० 2.00+3.00 किमी०) 5.00 किमी०

भू-वैज्ञानिक/ जिला टॉस्क फोर्स की संस्तुतियों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण-पत्र।

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना हेतु भू-वैज्ञानिक/जिला टॉस्क फोर्स द्वारा दिये गये सुझावों/शर्तों का निर्माण कार्य के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा पूरी तरह अनुपालन किया जायेगा।



कनिष्ठ अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग



अधिसासी अभियन्ता  
प्रा० खण्ड लो०नि०वि०  
रुद्रप्रयाग